केन्द्रीय विद्यालय संगठन, जयपुर संभाग

तृतीय प्री-बोर्ड परीक्षा, 2020-21

निर्धारित समय - 3 घंटे **कक्षा-12वीं** **विषय- हिन्दी (इलेक्टिव)** **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश : निम्नलिखित निर्देशों की पालना कीजिए-

- **इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं- खंड 'अ' और 'ब'। खंड 'अ' वस्तुपरक तथा खंड 'ख' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।**
- **खंड 'अ' में कुल 6 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।**
- **खंड 'ब' में कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।**

प्र.सं. **अपठित गद्यांश** 10

1. **निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए-**

मनुष्य सामाजिक प्राणी है। इस वाक्य मे दो महत्वपूर्ण शब्द हैं पहला मनुष्य और दूसरा समाज, मनुष्य और समाज दोनों एक दूसरे के पूरक हैं व्यक्ति है तो समाज है और अगर समाज है तो व्यक्ति है। वह समाज में रहकर अपनी सेवाओं के आदान-प्रदान से सभी इच्छाओं की पूर्ति करता है। आदिकाल मे मानव जब जंगलों मे रहता रहा होगा और उसने जानवरों आदि से सुरक्षा के लिए समूह में रहना शुरू किया और वहीं से समाज, समुदाय और गाँव का विकास होना आरंभ हुआ होगा। समूह मे रहना व्यक्ति के लिए प्राथमिक था और व्यक्ति की अपनी आवश्यकताएं द्वितीयक, व्यक्ति समाज केन्द्रित था, समाज मे एक किसी व्यक्ति की समस्या पूरे समाज की समस्या थी। मनुष्य में सहयोग और प्रेम की भावना मित्रता को जन्म देती है। मित्रता का अर्थ है , सहायक या दोस्त जो हर सुख-दुख में हमारा साथ निभाता है। अत: जीवन में मित्रता का महत्त्व सभी लोग स्वीकार करते हैं। सच्ची मित्रता सुख का सार है। सच्ची मित्रता उन बाँहों के समान सहारा देने वाली होती है जो हर मुसीबत में साथ देकर संकट को दूर भगाती है। मित्र बनाते समय हमें सावधानी भी रखनी चाहिए कि अच्छे व्यक्ति को ही अपना मित्र बनाएँ। तड़क-भड़क, शान-शौकत तथा फैशन करने वाले, हँसमुख, मनभावनी चाल देखकर ही किसी को मित्र नहीं बनाना चाहिए। अच्छे मित्र का मिलना परम सौभाग्य की बात मानी जाती है। वह व्यक्ति माता के समान धैर्य तथा कोमलता रखता है। औषधि के समान कड़वी बात कहकर भी हमारी कमियों को दूर भगाता है तथा हमारा सुधार करता है। जैसे विपत्ति में खजाना काम आ जाता है , विपत्ति से बचा लेता है उसी प्रकार एक अच्छा मित्र हरदम हमारा कल्याण चाहता रहता है। मित्र के नाम पर बुरे लोग भी समाज में मिल जाते हैं। वे हमसे नहीं; हमारे पैसे से प्रेम करते हैं। वे हमारी नैतिकता का पतन कराते हैं। अत: हमें उनसे बचकर ही रहन चाहिए। यह सोचकर मित्रता का हाथ बढ़ाना चाहिए कि वह आगामी जीवन में कितना उपयोगी सिद्ध होगा। मित्रता से अनेक लाभ हैं। सच्चा मित्र सुख, दुख में साथ देता है। हमारी सद्वृत्तियों को बढ़ाता है। जीवन का मार्ग आसान होता जाता है। अत: मित्रता के लाभ का महत्त्व स्वत: स्पष्ट हो जाता है। लेकिन आज जैसे जैसे व्यक्ति विकास की तरफ तेज़ी से बढ़ रहा है, वहीं व्यक्ति की जरूरतें बढ़ रही है और वह समाज से दूर हुआ है। विकास के इस दौड़ मे व्यक्ति

आत्मकेंद्रित हो जाता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेवारियों को भूलने से जहां पहले सभी एक दूसरे की मदद किया करते थे, वहीं अब समाज उसके लिए द्वितीयक हो गया और वह स्वयं ही प्राथमिक। इसी आत्मकेंद्रित प्रकृति के कारण परिवार टूटने लगे है, संयुक्त परिवार की संकल्पनाएं खत्म होती जा रही हैं। कुछ लोग ये कहते हैं कि संयुक्त परिवार मे व्यक्ति का विकास नहीं हो पाता, कुछ यह भी कहते हैं कि संयुक्त परिवार मे एक ही व्यक्ति पर पूरे परिवार का बोझ रहता है। आज का मनुष्य समाजकेंद्रित न होकर आत्मकेंद्रित है।

1 मित्रता को जन्म देती है : 1

(क) मूर्खता की भावना (ग) सामाजिकता की भावना
(ख) सरलता की भावना (घ) (घ) असामाजिकता की भावना

2 हमारी नैतिकता का पतन कराते हैं :

(क) हमसे प्रेम करने वाले (ग)हमारे सच्चे मित्र
(ख) हमारे पैसे से प्रेम करने वाले (घ)उपर्युक्त सभी

3 हरदम हमारा कल्याण चाहता है :

(क) सहपाठी (ग) अच्छा मित्र
(ख) पड़ोसी (घ) उपर्युक्त तीनों नहीं

4 निम्न में से सच्चे मित्र की विशेषता नहीं है-

(क)मुसीबत में साथ देकर संकट को दूर भगाता है।
(ख) हमें हमारी कमियाँ नहीं बताता है
(ग) कड़वी बात कहकर भी हमारी कमियों को दूर भगाता है
(घ) हमारी सद्वृत्तियों को बढ़ाता है

5 हमें ऐसे व्यक्ति से मित्रता नहीं करनी चाहिए जो-

(क) हमें कमियाँ बताता है (ग) सुख-दुख में साथ देता है
(ख) मुसीबत में साथ नहीं देता है (घ)कोई नहीं

6 मित्रता का लाभ नहीं है-

(क) सुख-दुख में साथ (ग) जीवन का मार्ग आसान बनता है
(ख) अच्छाइयों का विकास (घ) हर समय प्रशंसा मिलती है

7 हमें मित्र बनाना चाहिए-

(क)हँसमुख व्यक्ति को (ग)फैशन करने वाले को
(ख)तड़क-भड़क वाले को (घ)अच्छे व्यक्ति को

8 'मित्रता' शब्द व्याकरण के अनुसार **है :**

(क) विशेषण (ग) प्रविशेषण
(ख) संज्ञा (घ) सर्वनाम

9 'सामाजिक' – मूल शब्द व प्रत्यय का सही विकल्प है :

(क) सामाज + इक (ग) समाज + इक
(ख) समाज + ईक (घ)सामा + जिक

10 वह व्यक्ति माता के समान धैर्य तथा कोमलता रखता है। -रचना के आधार पर वाक्य भेद है-

(क) सरल (ग) मिश्र
(ख) संयुक्त (घ) इनमें से कोई नहीं

अथवा

एक बार एक वन के पशुओं को ऐसा लगा कि वे सभ्यता के उस स्तर पर पहुँच गए हैं, जहाँ उन्हें एक

अच्छी शासन-व्यवस्था अपनानी चाहिए और एक मत से यह तय हो गया कि वन-प्रदेश मंन प्रजातंत्र की स्थापना हो। पशु-समाज में इस 'क्रांतिकारी' परिवर्तन से हर्ष की लहर दौड़ गयी कि सुख-समृद्धि और सुरक्षा का स्वर्ण-युग अब आया और वह आया।

जिस वन-प्रदेश में हमारी कहानी ने चरण धरे हैं, उसमें भेंडें बहुत थीं–निहायत नेक, ईमानदार, दयालु, निर्दोष पशु जो घास तक को फूँक-फूँक कर खाता है।

भेड़ों ने सोचा कि अब हमारा भय दूर हो जाएगा। हम अपने प्रतिनिधियों से क़ानून बनवाएँगे कि कोई जीवधारी किसी को न सताए, न मारे। सब जिएँ और जीने दें। शान्ति, स्नेह, बन्धुत्त्व और सहयोग पर समाज आधारित हो।

इधर, भेड़ियों ने सोचा कि हमारा अब संकट काल आया। भेड़ों की संख्या इतनी अधिक है कि पंचायत में उनका बहुमत होगा और अगर उन्होंने क़ानून बना दिया कि कोई पशु किसी को न मारे, तो हम खायेंगे क्या? क्या हमें घास चरना सीखना पडेगा? ज्यों-ज्यों चुनाव समीप आता, भेड़ों का उल्लास बढ़ता जाता। ज्यों-ज्यों चुनाव समीप आता, भेड़ियों का दिल बैठता जाता।

एक दिन बूढ़े सियार ने भेड़िये से कहा, "मालिक, आजकल आप बड़े उदास रहते हैं।"

हर भेड़िये के आसपास दो–चार सियार रहते ही हैं। जब भेड़िया अपना शिकार खा लेता है, तब ये सियार हड्डियों में लगे माँस को कुतरकर खाते हैं और हड्डियाँ चूसते रहते हैं। ये भेड़िये के आसपास दुम हिलाते चलते हैं, उसकी सेवा करते हैं और मौके-बेमौके "हुआं-हुआं " चिल्लाकर उसकी जय बोलते हैं।

तो बूढ़े सियार ने बड़ी गंभीरता से पूछा, "महाराज, आपके मुखचंद्र पर चिंता के मेघ क्यों छाये हैं?" वह सियार कुछ कविता भी करना जानता होगा या शायद दूसरे की उक्ति को अपना बनाकर कहता हो।

ख़ैर, भेड़िये ने कहा, "तुझे क्या मालूम नहीं है कि वन-प्रदेश में नई सरकार बनने वाली है? हमारा राज्य तो अब गया। सियार ने दांत निपोरकर कहा," हम क्या जानें महाराज ! हमारे तो आप ही 'माई-बाप' हैं। हम तो कोई और सरकार नहीं जानते। आपका दिया खाते हैं, आपके गुण गाते हैं"

भेड़िये ने कहा, "मगर अब समय ऐसा आ रहा है कि सूखी हड्डियां भी चबाने को नहीं मिलेंगी।"

सियार सब जानता था, मगर जानकार भी न जानने का नाटक करना न आता, तो सियार शेर न हो गया होता! आखिर भेड़िये ने वन-प्रदेश की पंचायत के चुनाव की बात बूढ़े सियार को समझाई और बड़े गिरे मन से कहा, "चुनाव अब पास आता जा रहा है। अब यहाँ से भागने के सिवा कोई चारा नहीं। पर जाएँ भी कहाँ?" सियार ने कहा, " मालिक, सर्कस में भरती हो जाइए।"

भेड़िये ने कहा, "अरे, वहाँ भी शेर और रीछ को तो ले लेते हैं, पर हम इतने बदनाम हैं कि हमें वहाँ भी कोई नहीं पूछता" , "तो," सियार ने खूब सोचकर कहा, " अजायबघर में चले जाइए।"

भेड़िये ने कहा, " अरे, वहाँ भी जगह नहीं है, सुना है। वहाँ तो आदमी रखे जाने लगे हैं।"

1 वन के पशुओं को जब लगा कि वे सभ्यता के उस स्तर पर पहुँच गए हैं, जहां उन्हें एक अच्छी शासन-व्यवस्था अपनानी चाहिए तब क्या तय हुआ- 1

1. वन-प्रदेश में जंगल राज की स्थापना हो।
2. वन-प्रदेश में लोकतंत्र की स्थापना हो।
3. वन-प्रदेश में राजतंत्र की स्थापना हो।
4. वन-प्रदेश में प्रजातंत्र की स्थापना हो।

2 किस बात से पशु-समाज में हर्ष की लहर दौड़ गयी- 1

1. प्रजातंत्र की स्थापना होने की बात के कारण
2. सुख-समृद्धि और सुरक्षा का स्वर्ण-युग अब आया और वह आया।
3. शेर अब छोटे जानवरों को नहीं खा सकेगा
4. सभी को समाज में बोलने की आजादी मिलने वाली थी

3 भेंडें बहुत थीं– निहायत नेक, ईमानदार, दयालु, निर्दोष थी - 1

1. जो हर कदम फूँक-फूँक कर रखती थीं।
2. जिनको जंगल में सबसे अधिक डर था।
3. जो शेर से बहुत डरा करती थी।
4. जो घास तक को फूँक-फूँक कर खाती थीं।

4 जंगल में कानून बनाने का काम किसके द्वारा होने वाला था- 1

1. शेर द्वारा
2. प्रतिनिधियों द्वारा
3. सभी जानवरों द्वारा मिलकर
4. जंगल में कानून एक सपना है

5 गद्यांश के आधार पर लिखें कि समाज किस बातों पर आधारित होना चाहिए- 1

1. चोरी, डाका, लूट खरोट और असहयोग पर आधारित होना चाहिए।
2. दया, धर्म, स्नेह और सदभाव पर आधारित होना चाहिए।
3. शान्ति, स्नेह, बन्धुत्त्व और असहयोग पर आधारित होना चाहिए।
4. शान्ति, स्नेह, बन्धुत्त्व और सहयोग पर आधारित होना चाहिए।

6 पंचायत में भेड़ियों का संकट काल क्यों आने वाला था- 1

1. जंगल में शेर कानून बना रहा था और वह किसी की नहीं सुनता था
2. भेड़ियों को कहा गया था कि वे घास खाना सीख लें
3. उनका बहुमत कम होने से उन्हें लगा उनकी बात नहीं सुनी जाएगी
4. लोकतंत्र में भेड़ियों की सभी चालाकियां उजागर होने वाली थी

7 एक दिन बूढ़े सियार ने भेड़िये से क्या कहा- 1

1. मालिक, जंगल में चुनाव कब होने वाले हैं।
2. मालिक, आजकल आप बड़े खुश रहते हैं।
3. मालिक, आजकल आप बड़े सुस्त रहते हैं।
4. मालिक, आजकल आप बड़े उदास रहते हैं।

8 सियारों को भेड़ियों से क्या फायदा होता था जो प्रजातंत्र के बाद बंद हो सकता था- 1

1. भेड़ियों द्वारा मिलने वाली नौकरियां बंद हो सकती थी
2. भेड़ियों द्वारा मिलने वाला बचा भोजन बंद हो सकता था।
3. भेड़ियों द्वारा मिलने वाला आधा हिस्सा कम होने वाला था
4. भेड़ियों ने प्रजातंत्र के बाद सियारों का गाना सुनने से इंकार कर दिया था।

9 'आपका दिया खाते हैं, आपके गुण गाते हैं' यह किसने किसको कहा- 1

1. सियार ने भेड़िये से
2. भेड़िये ने सियार से
3. लोमड़ी ने भेड़िये से
4. भेड़िये ने लोमड़ी से

10 सर्कस में भेड़िये क्यों नहीं जाना चाहते थे- 1

(1) वहां सुना गया कि आदमी रखे जाने लगे हैं (2) वे सभी अजायबघर में जाना चाहते थे

(3) वहां शेर और रीछ के सामने उन्हें कोई नहीं पूछता था

(4) अब जमाना बदल गया और सर्कस कोई नहीं देखता है

प्रश्न **निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए-** (8)

2. वह तोड़ती पत्थर; गर्द चिनगीं छा गई,
देखा मैंने उसे इलाहाबाद के पथ पर- प्रायः हुई दुपहर :-

वह तोड़ती पत्थर।
कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार;
श्याम तन, भर बंधा यौवन,
नत नयन, प्रिय-कर्म-रत मन,
गुरु हथौड़ा हाथ,
करती बार-बार प्रहार:-
सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार।
चढ़ रही थी धूप;
गर्मियों के दिन,
दिवा का तमतमाता रूप;
उठी झुलसाती हुई लू
रुई ज्यों जलती हुई भू,

वह तोड़ती पत्थर।
देखते देखा मुझे तो एक बार
उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार;
देखकर कोई नहीं,
देखा मुझे उस दृष्टि से
जो मार खा रोई नहीं,
सजा सहज सितार,
सुनी मैंने वह नहीं जो थी सुनी झंकार।
एक क्षण के बाद वह काँपी सुघर,
ढुलक माथे से गिरे सीकर,
लीन होते कर्म में फिर ज्यों कहा-
"मैं तोड़ती पत्थर।"

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए-

(i) 'रुई ज्यों जलती हुई भू' में अलंकार है- 1

1. रूपक अलंकार
2. उत्पेक्षा अलंकार
3. उपमा अलंकार
4. उदाहरण अलंकार

(ii) कवि ने नायिका को क्या करते दिखाया है- 1

1. काम करते हुए
2. पत्थर तोड़ते हुए
3. श्रम करते हुए
4. गर्मी में झुलसते हुए

(iii) गुरु हथौड़ा हाथ पंक्ति में गुरु शब्द का अभिप्राय है- 1

1. गुरुदेव
2. भारी
3. हथौड़े का नाम
4. रोजी रोटी देने वाला साधन

(iv) तमतमाता रूप किस का कविता में वर्णित है- 1

1. दिव्या का
2. नायिका का
3. दिन का
4. गर्मी का

(v) जीवन संघर्ष के लिए नायिका को क्या करना पड़ रहा है- 1

1. नौकरी और बच्चों की देखभाल
2. मजदूरी विकट स्थितियों में
3. मेहनत मजदूरी रोटी के लिए
4. पत्थरों को तोड़ने का कठिन कार्य

(vi) पत्थर किस के लिए तोड़े जा रहे हैं- 1

1. कारखाने के लिए
2. सड़क बनाने के लिए
3. बाधाओं को तोड़कर आगे बढ़ने के लिए
4. भवन निर्माण के लिए

(vii) प्रस्तुत काव्य में प्रयुक्त छंद है- 1

1. छंद-बद्ध
2. सॉनेट
3. मुक्त छंद
4. निराला छंद

(viii) 'सीकर' का तात्पर्य है- 1

1. अश्रुजल
2. नयनजल
3. पसीने की बूंदें
4. वर्षा जल

<u>अथवा</u>

रो रो चिंता-सहित दिन को राधिका थीं बिताती।
आंखों को थीं सजल रखतीं उन्मना थीं दिखाती।
शोभा वाले जलद-वपु की हो रही चातकी थीं।
उत्कण्ठा थी परम प्रबला वेदना वर्द्धिता थी॥
बैठी खिन्ना यक दिवस वे गेह में थीं अकेली।
आके आंसू दृग-युगल में थे धारा को भिगोते।
आई धीरे इस सदन में पुष्प-सद्गंधा को ले।
प्रात: वाली सुपवन इसी काल वातायनों से॥
आके पूरा सदन उसने सौरभीला बनाया।
चाहा सारा-कलुष तन का राधिका के मिटाना।
जो बूंदें थीं सजल दृग के पक्ष्म में विद्यमाना।
धीरे-धीरे क्षिति पर उन्हें सौम्यता से गिराया॥
श्री राधा को यह पवन की प्यार वाली क्रियाएं।
थोड़ी सी भी न सुखद हुईं हो गईं वैरिणी सी।
भीनी-भीनी महक मन की शांति को खो रही थी।
पीड़ा देती व्यथित चित को वायु की स्निग्धता थी॥
संतापों को विपुल बढ़ता देख के दुखिता हो।
धीरे बोलीं सदुख उससे श्रीमती राधिका यों।
प्यारी प्रात: पवन इतना क्यों मुझे है सताती।
क्या तू भी है कलुषित हुई काल की क्रूरता से॥
कालिंदी के कल पुलिन पै घूमती सिक्त होती।
प्यारे-प्यारे कुसुम-चय को चूमती गंध लेती।
तू आती है वहन करती वारि के सीकरों को।
हा! पापिष्ठे फिर किसलिए ताप देती मुझे है॥
क्यों होती है निठुर इतना क्यों बढ़ाती व्यथा है।
तू है मेरी चिर परिचिता तू हमारी प्रिया है।
मेरी बातें सुन मत सता छोड़ दे बामता को।
पीड़ा खो के प्रणतजन की है बड़ा पुण्य होता॥
मेरे प्यारे नव जलद से कंज से नेत्रवाले।
जाके आए न मधुवन से औ न भेजा संदेसा।
मैं रो-रो के प्रिय-विरह से बावली हो रही हूं।
जा के मेरी सब दु:ख-कथा श्याम को तू सुनादे॥

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए-

(i) राधिका दिन को कैसे बिताती है- 1

1. सहेलियों के साथ खेलते हुए
2. कृष्ण को संदेश लिखते हुए
3. चिंताग्रस्त रोते हुए
4. दिन बिताए नहीं बितता

(ii) मन की शांति को कौन खो रही थी। 1

1. भीनी-भीनी महक
2. महकती हुई यादें
3. राधा
4. मीरा

(iii) काव्यांश में राधा का किस से संवाद प्रदर्शित किया गया है- 1

1. राधा का संवाद उसके अंतर्मन से है और वह अपने आप से बातें कर रही है।
2. राधा कृष्ण के प्रेम में बावरी हो गई है और प्रलाप कर रही है।
3. राधा का यहां हवा से काल्पनिक वार्तालाप दिखाया गया है।
4. राधा और कवि का यह आपस में संवाद है जो कविता में प्रदर्शित हुआ है।

(iv) 'दृग-युगल' का अभिप्राय है-

1. दृगों का युगल हो जाना
2. आंखों का बंद हो जाना
3. आंखों चार होना
4. दो आंखें

(v) 'क्यों होती है निठुर इतना क्यों बढ़ाती व्यथा है।' पंक्ति में किस व्यथा को संकेतित किया है- 1

1. मौसम के परिवर्तन के बाद गर्मी और शीत ऋतु में राधा निठुर हो गई है।
2. राधा को कृष्ण की याद सता रही है और वातावरण प्रतिकूल हो रहा है।
3. श्याम की दीवानगी में राधा को बस अपने विगत दिनों की याद बाकी रही है।
4. कवि तेज हवा और पानी की प्यास को निठुर कहते हुए राधा की अवस्था दिखा रहा है।

(vi) राधा की किस अवस्था का मार्मिक वर्णन कवि द्वारा किया गया है- 1

1. विरह वेदना
2. संयोग और वियोग का
3. प्रलाप
4. उपर्युक्त सभी

(vii) प्रात: काल की वेला को कौन राधा को सताती है? 1

1. सहेली
3. पवन
2. याद
4. उपर्युक्त सभी

(viii) बावरी राधा अपनी दु:ख-कथा किसे सुनाने का आग्रह करती है- 1

1. सखी को
3. सुंदर वन को
2. श्याम को
4. कान्ह गोपाल को

कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन

3. **निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए** 5

(i) प्राप्त संदेश में निहित अर्थ को समझने की कोशिश.....कहलाती है। 1

1. शोर
3. फीड बैक
2. डीकोडिंग
4. एनकोडिंग

(ii) जो फोन पर बात करके दर्शकों तक सूचनाएँ पहुंचाता है ,उसे क्या कहते हैं ? 1

1. लाइव
3. फ्लैश
2. फोन इन
4. इंट्रो

(iii) ऑल इंडिया रेडियो की विधिवत स्थापना कब हुई? 1

1. 1975
3. 1989
2. 1936
4. 1836

(iv) वर्तमान में आकाशवाणी व दूरदर्शन पर किसका नियंत्रण है? 1

1. प्रसार भारती
3. विविध भारती
2. भारतीय फिल्म और टेलिविज़न संस्थान
4. ऑल इंडिया रेडियो

(v) जनसंचार के दुष्प्रभाव की श्रेणी में निम्न में से किस बिंदु को रखा जा सकता है- 1

1. ये आम जीवन से दूर हो जाते हैं तथा व्यसनी हो जाते हैं। अनावश्यक मुद्दों को उछाला जाता है।
2. ये समाज में अश्लीलता व असामाजिक व्यवहार को बढ़ावा देते हैं। ये पलायनवादी प्रवृत्ति को बढ़ावा देते हैं।
3. जनसंचार के माध्यम खासतौर पर टी.वी. व सिनेमा ने लोगों को काल्पनिक दुनिया की सैर कराई है। समाज के कमजोर वर्गों को कम महत्त्व दिया जाता है।
4. बिंदु एक से तीन को रख सकते हैं।

पूरक पाठ्य-पुस्तक

4. **निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए-** 07

सेहो मधुर बोल सवनहि सूनल स्रुति पथ परस न गेल॥
कत मधु–जामिनि रभस गमाओलि न बूझल कइसन केलि
लाख लाख जुग हिअ हिअ राखल तइओ हिअ जरनि न गेल॥
कत बिदगध जन रस अनुमोदए अनुभव काहु न पेख॥
विद्यापति कह प्रान जुड़ाइते लाखे न मीलल एक।

(i) पद्य में प्रयुक्त काव्य-गुण है- 1

1. ओज
3. माधुर्य
2. प्रसाद
4. पदसौकुमार्य

(ii) पद्य में किस भाषा का प्रयोग हुआ है- 1

1. खड़ी बोली
3. अवधी
2. ब्रज
4. मैथिली

(iii) 'सवनहि सूनल स्रुति' में किस की वर्णन है- 1

1. कर्णप्रिय मधुर स्वर सुनने का
2. श्रवण पथ में आ रही बाधाओं का
3. कृष्ण और राधा के मिलन का
4. कहने और सुनने के साथ प्रेम का

(iv) दूसरी पंक्ति में किसे पूछने की मनाही का वर्णन राधा कर रही है- 1

1. कृष्ण को कुछ पूछने का
2. कवि को
3. सखी को
4. प्रियतम को

(v) 'प्रान जुड़ाइते लाखे न मीलल एक-पंक्ति का अभिप्राय है ' 1

1. प्राण जुड़ते जाते हैं और लाखों नहीं मिलते हैं यहां
2. प्राणों से प्राण जुड़े हुए हैं और राधा कृष्ण का मिलन होकर रहेगा।
3. प्राणों को धारण किए रहने के लिए उसके एक बार मिलने की प्रतीक्षा है।
4. प्राण दोनों के परस्पर जुड़े हुए हैं लाखों युगों से यह मिलन अमर मिलन है।

5. **निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए-** 07

धर्म के रहस्य जानने की इच्छा प्रत्येक मनुष्य न करे, जो कहा जाए वही कान ढलकाकर सुन ले, इस सत्ययुगी मत के समर्थन में घड़ी का दृष्टांत बहुत तालियाँ पिटवाकर दिया जाता है। घड़ी समय बतलाती है। किसी घड़ी देखना जाननेवाले से समय पूछ लो और काम चला लो। यदि अधिक करो तो घड़ी देखना स्वयं सीख लो किंतु तुम चाहते हो कि घड़ी का पीछा खोलकर देखें, पुर्जे गिन लें, उन्हें खोलकर फिर जमा दें, साफ करके फिर लगा लें- यह तुमसे नहीं होगा। तुम उसके अधिकारी नहीं। यह तो वेदशास्त्राज्ञ धर्माचार्यों का ही काम है कि घड़ी के पुर्जे जानें, तुम्हें इससे क्या? क्या इस उपमा से जिज्ञासा बंद हो जाती है? इसी दृष्टांत को बढ़ाया जाए तो जो उपदेशक जी कह रहे हैं उसके विरुद्ध कई बातें निकल आवें। घड़ी देखना तो सिखा दो, उसमें तो जन्म और कर्म की पख न लगाओ, फिर दूसरे से पूछने का टंटा क्यों?

(i) मनुष्य के मन में सहज जिज्ञासा क्या होती है? 1

1. धर्म के रहस्य को जानना
2. धर्म की अवहेलना करना
3. भ्रमण करने की प्रवृति
4. वेदों का अध्ययन करने की

(ii) 'घड़ी के पुर्जे खोलना' में व्यंग्यार्थ है- 1

1. कार्य को सही ढंग से सीखना
2. धर्म के रहस्य को जानना
3. बात का अर्थ निकालना
4. व्यर्थ के कार्य करना

(iii) दिए गए गद्यांश की शैली है- 1

1. भावात्मक
2. समीक्षात्मक
3. व्यंग्यात्मक
4. प्रतीकात्मक

(iv) घड़ी ठीक करने वाला क्या कहलाता है- 1

1. घड़ीबाज
2. घड़ीसाज
3. घड़ीदार
4. घड़ीज

(v) 'दृष्टांत 'शब्द का अभिप्राय है- 1

1. दृश्य का अंत होना
2. कोई मिसाल कहना
3. अंत तक देखना दृश्य को
4. दृष्ट और अंत का सुमेल

पूरक पाठ्य-पुस्तक (07)

6. **निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए-** 07

(i) "हां यही मेरा काम है, चोरी डाका न सिखाऊं तो, रोटियां क्यों कर चलें।" यह कथन किसका है- 1

1. जगधर
2. नायकराम
3. भैरों
4. बजरंगी

(ii) सूरदास के झोंपड़े में आग किस कारण से लगा दी जाती है- 1

1. सत्ता और पूंजी के गठजोड़ के कारण
2. त्याग और समर्पण के कारण
3. ईर्ष्या और घृणा के कारण
4. आपसी सामंजस्य नहीं होने के कारण

(iii) 'आरोहण' कहानी में कुत्ते का नाम है- 1

1. जबरा
2. भोटिया
3. टोनी
4. शेरू

(iv) रूपसिंह के गांव से भागने के बाद सबसे पहले बड़ी घटना घटी- 1

1. शैला की मृत्यु की
2. हिमांग पहाड़ के घंसने की
3. महीप के घर से भागने की
4. भूपसिंह के ब्याह की

(v) बचपन में बिसनाथ किस के घर बहुत जाते थे? 1

1. संतोषी मइया के घर
2. सीता भाभी के घर
3. कृष्णा बाई के घर
4. सुदर्शन भैया के घर

(vi) 'अपना मालवा खाऊ उजाडू सभ्यता' पाठ की विषयवस्तु है- 1

1. मालवा क्षेत्र का नैतिक अनाचार
2. मालवा क्षेत्र की अंधी कुरीतियां
3. जल और पर्यावरण संबंधी समस्याएं
4. राजस्थानी बोली मालवी का बाहर प्रयोग

(vii) मालवा क्षेत्र है- 1

1. पंजाब-हरियाणा में
2. राजस्थान-उत्तरप्रदेश में
3. राजस्थान-मध्यप्रदेश में
4. मध्यप्रदेश-उत्तरप्रदेश में

कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए:- 5

1. कोरोना से मुक्ति
2. पृथ्वी पर मंडराते संकट
3. मेरे जीवन का उद्देश्य

8. सार्वजनिक स्थानों पर जनता द्वारा कोविड नियमों के उल्लंघन पर चिंता जताते हुए अपने क्षेत्र के प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

अथवा

महामारी के बाद अपनी पारिवारिक दशा के बारे में बताते हुए केंद्रीय विद्यालय क्रमांक एक जयपुर के प्राचार्य को शुल्क-मुक्ति हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिए।

9. प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:- 5

(i) कहानी लेखन की रचना प्रक्रिया में आवश्यक महत्त्वपूर्ण तत्वों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 3

अथवा

नाटक लेखन की रचना प्रक्रिया में आवश्यक महत्त्वपूर्ण तत्वों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ii)	कविता की रचना के लिए शब्द कितना आवश्यक है?	2
	अथवा	
	कविता के किन्हीं दो सौंदर्य तत्वों के बारे में अपने विचार लिखें।	
10.	प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:-	5
(i)	उल्टा पिरामिड शैली से क्या समझते हैं?	3
	अथवा	
	आलेख लेखन लिखते समय किन किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है?	
(ii)	विज्ञापनों की लुभावनी दुनिया विषय पर फीचर लिखिए।	2
	अथवा	
	संपादकीय किसे कहते हैं?	
	पाठ्य-पुस्तक	20
11	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:-**	6
(i)	'मैं तुम्हारा विरोधी प्रतिद्वंद्वी या हिस्सेदार नहीं' से कवि का क्या अभिप्राय है?	3
(ii)	राम के वन-गमन के बाद उनकी वस्तुओं को देखकर माँ कौशल्या कैसा अनुभव करती हैं? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।	3
(iii)	नायिका के प्राण तृप्त न हो पाने के कारण अपने शब्दों में लिखिए।	3
12	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:-**	4
(i)	देवसेना की हार या निराशा के क्या कारण हैं?	2
(ii)	बसंत आया कविता में कवि की क्या चिंता है?	2
(iii)	माघ महीने में विरहिणी को क्या अनुभूति होती है?	2
13	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:-**	6
(i)	बचपन में लेखक के मन में भारतेंदु जी के संबंध में कैसी भावना जगी रहती थी?	3
(ii)	'दुर्लभ बंधु' की पेटियों की कथा लिखिए।	3
(iii)	पुजारी ने लड़की के 'हम' को युगल अर्थ में लेकर क्या आशीर्वाद दिया और पुजारी द्वारा आशीर्वाद देने के बाद लड़के और लड़की के व्यवहार में अटपटापन क्यों आया?	3
14	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:-**	4
(i)	शेर के मुँह और रोज़गार के दफ़्तर के बीच क्या अंतर है?	2
(ii)	आधुनिक भारत के 'नए शरणार्थी' किन्हें कहा गया है?	2
(iii)	बड़ी बहूरिया अपने मायके संदेश क्यों भेजना चाहती थी?	2